ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी

दिनांक—15/07/2020   **समास(पुनरावृत्ति)**

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

हम लोग अभी समास को पुनः पढ़ रहे हैं, अतः इसे अच्छी तरह से लिखें अपनी कॉपी में एवं याद करें।

एन सी इ आर टी पर आधारित

4. द्विगु समास : जिस समास में पहला पद संख्यावाचक विशेषण हो तथा समस्तपद किसी समूह का बोध कराए, उसे द्विगु समास कहते हैं। द्विगु समास में समस्तपद का विग्रह करने पर समूह या समाहार शब्द आते हैं जैसे-

समस्तपद	विग्रह
चौराहा	चार राहों का समूह
अठन्नी	आठ आनों का समूह
शतक	सौ वर्षों का समूह
दशक	दस वर्षों का समूह
सप्ताह	सात दिनों का समूह
तिरंगा	तीन रंगों का समूह

5. बहुव्रीहि समास : जिस समास में दोनों में से कोई भी पद प्रधान नहीं रहता, बल्कि समस्तपद किसी अन्य अर्थ का वाचक होता है, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं। इसमें विग्रह करने पर 'जिसके' या 'वाला' शब्द आता है। जैसे-

समस्तपद	विग्रह
दशानन अर्थात रावण	दस हैं आनन जिसके दस आनन (सिरों) वाला
नीलकंठ अर्थात भगवान शिव	नीला है कंठ जिसका
चंद्रशेखर अर्थात शिव	चंद्र है शिखर पर जिसके
गजानन जिसका अर्थात गणेश जी	गज जैसा आनन है

6.अव्ययीभाव समास-:अव्ययीभाव समास में 'पूर्वपद' अव्यय होता है तथा पूर्व पद ही प्रधान होता है। अव्ययीभाव समास का विग्रह करते समय 'उत्तरपद' पहले लिखा जाता है और 'पूर्वपद' बाद में लिखा जाता है जैसे -

समस्तपद	विग्रह
रातों-रात	रात ही रात में
भरपेट	पेट भरकर
प्रत्येक	एक-एक
बेशक	शक के बिना

समस्तपद	विग्रह
आजीवन	जीवन भर
आमरण	मरने (मरण) तक
हाथों-हाथ	हाथ ही हाथ में
बेकाम	काम के बिना

क्रमशः

कुमारी पिंकी “कुसुम”

अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बरकरार रखें, स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें ।